श्रीवृंदावन धाम अपार जपे जा राधे राधे.....

श्रीवृंदावन धाम अपार जपे जा राधे राधे,
रटे जा राधे राधे, जपे जा राधे राधे,
श्रीराधे अलबेली सरकार, जपे जा राधे राधे ।।

वृंदावन अकथ कहानी, नहीं समझें ग्यानी ध्यानी,
(एरी) ये तो जानें बृज की नार, जपे जा राधे राधे ।।
श्रीराधे अलबेली सरकार, जपे जा राधे राधे ।।

ये वृंदावन की लीला, नहीं समझो गुड़ को चीला,
जामे रिषी मुनि गये हार, जपे जा राधे राधे ।।
श्रीराधे अलबेली सरकार, जपे जा राधे राधे ।।

वृंदावन रास रचायो, शिव गोपि रूप धर आयो,
बंसी वट कियो विहार, रटे जा राधे राधे ।।
श्रीराधे अलबेली सरकार, जपे जा राधे राधे ।।

तू वृंदावन में आयो, तैने राधा नाम न गायो,
तेरो जीवन है धिक्कार, रटे जा राधे राधे ।।
श्रीराधे अलबेली सरकार, जपे जा राधे राधे ।।

http://www.govindbhargav.in